ISSN 0973-2616

सी एस आई आर समाचार

प्रगति, विश्वास और आशा

वर्ष 27 अंक 9 सितम्बर 2010

डॉ. हरिनारायण जीएसपीसी लिमिटेड के स्वतन्त्र निदेशक चयनित

डॉ. टी. हरिनारायण, वैज्ञानिक-जी, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान (एनजीआरआई), हैदराबाद को गुजरात सरकार द्वारा राज्य स्वायत्त कम्पनी गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) का स्वतन्त्र निदेशक चयनित किया गया है। जीएसपीसी एक 5000 करोड़ रुपये की तेल तथा गैस अन्वेषण तथा उत्पादन कम्पनी है जिसे ऊर्जा क्षेत्र में नवीनतम परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए 25 वर्ष से भी अधिक का अनुभव है।

डॉ. हरिनारायण का चयन देश के विभिन्न भागों में ऑयल एक्स्प्लोरेशन अपस्ट्रीम सेक्टर में उनके महत्वपूर्ण योगदान के आधार पर किया गया है। उन्होंने गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों यथा सौराष्ट्र, कच्छ, नर्मदा, कैम्बे में विभिन्न भूभौतिकीय अन्वेषणों का नेतृत्व किया है तथा वे तेल उद्योग से सम्बन्धित बहुत से बहु-अनुशासनिक मेगा-परियोजनाओं में संलग्न हैं। उनकी संस्तुति के आधार पर नर्मदा-कैम्बे क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन के दोहन के लिए कुछ ब्लॉकों को बांटा गया है।

डॉ. हरिनारायण एनजीआरआई की प्रमुख परियोजनाओं में से एक-मैग्नेटोटेलुरिक्स के प्रमुख हैं तथा उन्होंने इन तकनीकों को विभिन्न भूवैज्ञानिक समस्याओं यथा भूकम्प तथा सुनामी मॉनीटरिंग अध्ययन, भूउष्मीय अन्वेषण, सिस्मोटैक्टोनिक्स तथा गहन भूपर्पटीय निरूपण के लिए अनुप्रयुक्त भी किया है। उनके पास जीईएमआरसी, मास्को, बुल्गेरियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, बुल्गेरिया

तथा स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन्स ऑफ ओशियनोग्राफी, यूएसए के साथ अग्रणी अन्तरराष्ट्रीय समन्वयन परियोजनाएं हैं। वे प्रतिष्ठित एशियन एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज (आरएएनएस), मास्को के फैलो तथा इन्टरनेशनल एसोसियेशन ऑफ जियोमैग्नेटिज्म एण्ड एयरोनॉमी (आईएजीए) के कार्यपालक सदस्य भी हैं। वे विभिन्न राष्ट्रीय समितियों के विशेषज्ञ सदस्य भी हैं तथा अभी हाल ही में वे आईयूजीजी समिति के सदस्य बने हैं।

भूतापीय ऊर्जा के क्षेत्र में डॉ. हरिनारायण के विशिष्ट कार्यों ने देश के विभिन्न भागों यथा जम्मू तथा कश्मीर के पूगा, उत्तराखण्ड के तपोवन-विष्णुगढ़, छत्तीसगढ़ के तत्तापानी तथा झारखण्ड के सूरजकुंड क्षेत्र में विद्युत उत्पादन के नवीन आयाम खोल दिये हैं। नर्मदा-सोन लिनियेमैंट जोन में गहन भूपर्पटीय निरूपण अध्ययन में मेन्टलवार्पिंग तथा मेग्नेटिक अंडरप्लेटिंग की विद्यमानता के सशक्त साक्ष्य प्रस्तुत किये हैं।

उन्हें केन्द्रीय खान मंत्री, भारत सरकार से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार; आन्ध्र प्रदेश सरकार से सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक सम्मान प्राप्त हो चुका है। इसके अतिरिक्त वे एपी अकादमी ऑफ साइंसेज; इंडियन जियोफिजिकल यूनियन तथा जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के चयनित फैलो भी हैं। उनके राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिकाओं में 62 अनुसंधान शोधपत्र तथा 20 तकनीकी अनुसंधान रिपोर्ट भी प्रकाशित हो चुकी हैं।